



मल्टीग फिल्म के बारेमें विशेष जानकारी

हम जानते हैं कि भारत कृषिप्रधान देश है और कृषि पर आधारित देश के 70% (प्रतिशत) लोगो की आय कृषि पर है। आज जमीन पर खर पतवार (निंदा) का बहुत अधिक मात्रामें व्याप होता है। खर पतवार का नाश करने के लिए हम बाजार मे से तरह तरह की कीटनाशक रासायणिक दवाईयोका इस्तमाल करते है तो भी वह दवाईया ईतना मुनाफा नही देती और जमीन को भी हानीकारक है। ईसलिए यह यांत्रिक युग मे किंसान भी अपनी कृषि मे आधुनिकता आपनाने के लिए एवं बदलते जाते वक्त के साथ कदम मिलाने के लिए और निवेश के सामने अधिक आय प्राप्त करने के लिए मल्टीग फिल्म का उपयोग कर रहे है।

मल्टीग फिल्म के उपयोग से लाभ:

- जमीन की नमी को कायम रखता है फल स्वरुप पियत पानी की मात्रा कमी आती है। जिसने पानी एवं उर्जा की बचत होती है।
- मल्टीग फिल्म से जमीन ढंकी होने से बारीस में या अधिक पानी की स्थिती मे फसल के जड को सुरक्षा प्रदान करती है।
- जमीन का उष्णतामान बढने से हानिकारक जंतुओका नाश होता है।
- द्विरंगी होने से प्रकाश का परिवर्तन होता है।
- फसल कम समय मे मीलना शुरू हो जाता है।
- जमीन के पोषक तत्व बने रहते है।
- पानी का बाष्पीभवन रुकता है।
- फसल की गुणवता बढती है।

फसल के अनुसार मल्टीग फिल्मका उपयोग कीए जानेकी सीफारीस:

मायक्रोन	फसल की सीफारीस
20, 25, 30	कम अवधी फसल के लीए
40, 50	मध्यम अवधी फसल के लीए
60, 100	अधीक अवधी फसल के लीए

तकनीकी विशेषताए	
जाडाई	20 माईक्रोन से 200 माईक्रोन
चोडाई	2.5 फीट से 10 फीट / 0.76 मीटर से 3.0 मीटर
लंबाई	400 मीटर से 1000 मीटर

